[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 2217 **L**

Unique Paper Code : 2102204801

Name of the Paper : THEORIES OF COGNITION

Name of the Course : **DSC**

Semester : VIII

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt **ANY FIVE** questions, selecting at least **TWO** from each text (Ny1yabindut2k1 and Ny1yamañjar2).
3. **All** questions carry equal marks.
4. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. कुल **पाँच** प्रश्नों का उत्तर दीजिए, प्रत्येक ग्रंथ से कम से कम **दो** प्रश्न अवश्य चुने।
3. **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं।
4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Q 1 Define knowledge (Buddhi). Explain its essential characteristics in Indian philosophy.

ज्ञान (बुद्धि) की परिभाषा दीजिए तथा भारतीय दर्शन में इसके मुख्य लक्षणों की व्याख्या कीजिए।

OR

Q. Explain the Role of Perception in the process of Valid knowledge according to Naya philosophy.

न्याय दर्शन के अनुसार वैध ज्ञान की प्रक्रिया में प्रत्यक्ष के भूमिका की व्याख्या करें।

Q 2 Discuss the classification of knowledge. How do memory and dream differ from valid knowledge?

ज्ञान के वर्गीकरण की चर्चा कीजिए। स्मृति और स्वप्न, प्रमाणिक ज्ञान से किस प्रकार भिन्न हैं?

OR

Q. Examine the Naya theory of Inference in the process of Valid knowledge.

वैध ज्ञान की प्रक्रिया में न्याय दर्शन के अनुमान सिद्धांत समीक्षा करें।

Q 3. How does Sat-khyāti explain illusion? Illustrate with examples.

सत्-ख्याति भ्रम की व्याख्या कैसे करती है? उदाहरण सहित समझाइए।

Q 4. Explain the theory of Anirvacanīya-khyāti in Advaita Vedānta.

अद्वैत वेदान्त में अनिर्वचनीय-ख्याति के सिद्धांत को समझाइए।

Q5. What are the limits of philosophical knowledge according to Russell? Why does he still consider philosophy valuable?

रसेल के अनुसार दार्शनिक ज्ञान की सीमाएँ क्या हैं? फिर भी वे दर्शन को मूल्यवान क्यों मानते हैं?

Q6. Explain how philosophy broadens the mind according to Russell. Discuss its role in overcoming prejudice and dogmatism.

रसेल के अनुसार दर्शन किस प्रकार मन को विस्तृत करता है? पूर्वाग्रह और कट्टरता को दूर करने में इसकी भूमिका पर चर्चा कीजिए।

Q7. How does J. N. Mohanty interpret the concept of rationality in the context of phenomenology and Indian philosophy? Discuss the similarities and differences between the two traditions.

जे. एन. मोहंती के अनुसार फिनोमेनोलॉजी और भारतीय दर्शन के संदर्भ में तर्कशीलता (Rationality) की अवधारणा की व्याख्या कीजिए। दोनों परंपराओं के बीच समानताएँ और भिन्नताएँ स्पष्ट कीजिए।

Q8. Discuss the role of phenomenological reduction (epoché) in Husserl's transcendental philosophy according to Zahavi. How does it reveal the structures of consciousness?

ज़हावी के अनुसार हुसर्ल के ट्रान्सेंडेंटल दर्शन में फिनोमेनोलॉजिकल रिडक्शन (एपोखे) की भूमिका पर चर्चा कीजिए। यह चेतना की संरचनाओं को कैसे उजागर करता है?

Q 9. Shot note: write any two

लघु प्रश्न: किन्ही दो का उत्तर दें

1. शब्द प्रमाण (Sabda pranam)
2. उपमान (Upmana)
3. प्रमा एवं प्रमाण (Prama and Praman)
4. ख्यातिवाद (Khayativada)